गुरु गम का सागर तमने लाख लाख वंदन लिरिक्स

गुरु गम का सागर,
तमने लाख लाख वंदन,
ऐ लाख लाख वंदन तमने,
कोटि कोटि वंदन,
गुंरु गम का सागर,
तमने लाख लाख वंदन।bd।

अज्ञान जीवडो गुरु जी,
चरणों में आयो,
ज्ञान को दीपक गुरुजी,
जलाई दीजो,
गुंरु गम का सागर,
तमने लाख लाख वंदन।bd।

लख हो चौरसी में जिवड़ो,
भटकि रे आयो,
अबकी चौरासी गुरुजी,
छुड़ाई हो दी जो,
गुंरु गम का सागर,
तमने लाख लाख वंदन।bd।

डूबते डूबते हो गुरु जी,
आपने बचाया,
अब को जीवन हो गुरुजी,
सवारी हो दिजो,
गुंरु गम का सागर,
तमने लाख लाख वंदन।bd।

इना हो सेवक की गुरुजी,
अरज गुसाईं,
आवागमन का बंधन,
छुड़ाई हो दिजो,
गुंरु गम का सागर,
तमने लाख लाख वंदन।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गुरु गम का सागर,
तमने लाख लाख वंदन,
ऐ लाख लाख वंदन तमने,
कोटि कोटि वंदन,
गुंरु गम का सागर,
तमने लाख लाख वंदन।bd।

गायक – प्रहलाद सिंह जी टिपानिया।
प्रेषक – राधेश्याम खांट
8120141128

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com